प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 1

सत्र 2021-22

विषय- हिंदी 'ब'

कोड - 085

कक्षा - 9th

समय : 1 घंटे | पूर्णांक - 40

सामान्य निर्देश—

- **प्रश्न-पत्र में दो खंड दिए गए हैं— खंड 'क' और खंड 'ख'।**
- **खंड 'क' में पाठ्यपूरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **खंड 'ख' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

खण्ड–'क'

पाठ्यपूरक–गद्य एवं पद्य

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— $2 \times 2 = 4$

(क) मध्यम वर्गीय लोग अपने अतिथियों का स्वागत अपनी सीमा से बढ़-चढ़कर क्यों करते हैं?

(ख) 'धर्म की आड़' इस पाठ के आधार पर कौन-सा कार्य देश की स्वाधीनता के विरुद्ध समझा जाए ?

(ग) मन्दिर में सुखिया के पिता के साथ कौन-सी घटना घटित हुई ?

2. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए— $4 \times 1 = 4$

(क) सबके कल्याण हेतु अपने आचरण को सुधारना क्यों आवश्यक है ? AI

(ख) 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता में कवि ने समाज की किस विसंगति पर कटाक्ष किया है ?

पूरक पाठ्यपुस्तक–संचयन भाग–1

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में लिखिए— $3 \times 2 = 6$

(क) 'दिये जल उठे' पाठ के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। AI

(ख) दोनों भाइयों ने मिलकर कुएँ में नीचे उतरने की क्या युक्ति अपनाई?

(ग) लेखिका महादेवी वर्मा गिल्लू को अत्यधिक स्नेह करने के बावजूद लिफाफे में बंद क्यों कर देती थीं?

खण्ड–'ख'

लेखन

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— $6 \times 1 = 6$

(क) मेरी अविस्मरणीय यात्रा

संकेत बिंदु—कब, कहाँ, अनुभव, विशेष बात।

(ख) मेरा प्रिय खिलाड़ी

संकेत बिंदु—कौन, प्रिय होने के कारण, विशेषता।

(ग) मेरा शहर

संकेत बिंदु—कौन-सा, विशेषता, हमारा कर्त्तव्य।

5. पत्र लेखन— $5 \times 1 = 5$

(क) अपने जन्म-दिन पर अपने मित्र को निमन्त्रित करते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

(ख) अपने छोटे भाई को अध्ययनशील होने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

6. निम्नलिखित दिए गए किन्हीं दो विषयों पर संदेश लेखन कीजिए— $2.5 \times 2 = 5$

(क) शतरंज में स्वर्ण पदक जीतने पर मित्र को संदेश।

अथवा

दिवाली त्योहार के अवसर पर परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए संदेश।

(ख) तैराकी में स्वर्ण पदक जीतने पर अपनी बहन को बधाई देते हुए संदेश।

अथवा

सहपाठियों को 'बालदिवस' (14 नवम्बर) पर शुभकामना संदेश लिखिए।

7. निम्नलिखित दिए गए किन्हीं दो विषयों पर संवाद लेखन कीजिए— $2.5 \times 2 = 5$

(क) "दुनिया में भुखमरी और कुपोषण" विषय पर अपने मित्र के साथ संवाद लिखिए।

अथवा

भारत में बढ़ते भ्रष्टाचार पर दो मित्रों में संवाद लिखिए।

(ख) 'प्रदूषण की गहरी समस्या' विषय पर अपने मित्र से संवाद कीजिए।

अथवा

किसी सहपाठी की शिकायत कर रहे छात्र और कक्षा अध्यापिका का संवाद लिखिए।

8. निम्नलिखित दिए गए किन्हीं दो विषयों पर नारा लेखन कीजिए— $2.5 \times 2 = 5$

(क) कोरोना महामारी।

अथवा

'शिक्षा का महत्व'।

(ख) नेत्रदान संबंधी नारा लेखन।

अथवा

'पर्यावरण सुरक्षा' पर नारा लेखन।

❑❑❑

उत्तरमाला

खण्ड–'क'

पाठ्यपूरक–गद्य एवं पद्य

1. **(क)** मध्यमवर्ग में दिखावा अधिक छाया हुआ है इसलिए वे लोग अपने अतिथियों का स्वागत सत्कार अपने सामर्थ्य से बढ़–चढ़कर करते हैं। चाहे ऐसा करने से उनका बजट बिगड़ जाए, परन्तु वे आदर सत्कार में कोई कमी नहीं रखना चाहते। **2**

(ख) यदि किसी धर्म के मानने वाले जबरदस्ती दूसरों के धर्म में टाँग अड़ाएँ, बाधा पहुँचाएँ, तो उनका इस प्रकार का कार्य देश की स्वाधीनता के विरुद्ध समझा जाए। दूसरों की स्वतंत्रता में बाधक समझा जाए। **2**

(ग) मन्दिर में सुखिया के पिता के साथ यह घटना घटित हुई कि मन्दिर से प्रसाद लेकर लौटने के बाद सुखिया के पिता को लोगों द्वारा पहचान लिया गया कि वह अछूत है। उन्होंने उसे बहुत मारा–पीटा तथा जेल पहुँचा दिया। **2**

2. **(क)** सबके कल्याण हेतु अपने आचरण को सुधारना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आने वाले समय में मनुष्य को सदाचार व शुद्ध आचरण के आधार पर ही जीना होगा। अपने लाभ को त्याग कर सर्वजन की भलाई को सर्वोच्च मानना होगा और यदि आचरण पवित्र नहीं होगा तो व्रत–पूजा, रोज़े–नमाज व्यर्थ चले जाएँगे। इसलिए सबके हित की सोचते हुए सबसे पहले निजी आचरण व व्यवहार को सही करना होगा। **4**

(ख) 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता में समाज के निर्माण में योगदान करने वाले लोगों के साथ होने वाले उपेक्षा भाव को बेनकाब किया है। जो वर्ग समाज में सौंदर्य की सृष्टि कर रहा है और उसे खुशहाल बनाता रहा है, वहीं वर्ग अभाव व, गंदगी में जीवन बसर करने के लिए विवश है। लोगों के जीवन में सुगंध बिखेरने वाले हाथ भयावह स्थितियों में अपना जीवन बिताने पर मज़बूर हैं। खुशबू रचने वाले हाथ सबसे गंदे और बदबूदार इलाकों में जीवन बिता रहे हैं। इसी सामाजिक विडंबना को कवि ने इस कविता से प्रकाशित किया है। **4**

पूरक पाठ्यपुस्तक–संचयन भाग–1

3. **(क)** गांधी जी देश सेवा को धार्मिक कार्य के समान महान मानते थे। जिस प्रकार यह विश्वास है कि तीर्थ यात्रा का सम्पूर्ण लाभ पैदल यात्रा द्वारा ही मिलता है, उसी प्रकार गांधी जी ने दांडी कूच पैदल ही किया। इससे स्पष्ट होता है कि गाँधी जी कष्टों और विघ्नों से घबराते नहीं थे। कठिन–से–कठिन परिस्थिति में वे आत्मजयी बनकर औरों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने। वे देश की आजादी के लिए लड़ी जा रही लड़ाई को धर्म मानते थे इसलिए उसे पवित्र भावना से पूरा करना चाहते थे। **3**

(ख) कुएँ में चिट्ठियाँ गिर जाने पर दोनों भाई सहम गए और डरकर रोने लगे। छोटा भाई जोर–जोर से और लेखक आँख डबडबा कर रो रहा था। तभी उन्हें एक युक्ति सूझी। उनके पास एक धोती में चने बँधे थे, दो धोतियाँ उन्होंने कानों पर बाँध रखी थीं और दो धोतियाँ वे पहने हुए थे। उन्होंने पाँचों धोतियाँ मिलाकर कसकर गाँठ बाँधकर रस्सी बनाई। लेखक ने धोती के एक सिरे पर डंडा बाँधा, तो दूसरा सिरा चरस के डेंग पर कसकर बाँध दिया और उसके चारों ओर चक्कर लगाकर एक और गाँठ लगाकर छोटे भाई को पकड़ा दिया। लेखक धोती के सहारे कुएँ के बीचों–बीच उतरने लगा। छोटा भाई रो रहा था, पर लेखक ने उसे विश्वास दिलाया कि वह साँप को मारकर चिट्ठियाँ ले आएगा। **3**

(ग) गिल्लू का महादेवी वर्मा से बहुत लगाव था। वह लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए तरह-तरह की शरारतें तब तक किया करता जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती। इसलिए कभी-कभी लेखिका गिल्लू की शरारतों से परेशान हो उसे एक लम्बे लिफाफे में इस तरह रख देतीं कि सिर के अतिरिक्त उसका शेष शरीर लिफाफे के अंदर रहे। गिल्लू इसी स्थिति में मेज पर दीवार के सहारे घंटों खड़ा रहकर लेखिका के कार्यों को देखता। काजू या बिस्कुट देने पर उसी स्थिति में लिफाफे के बाहर वाले पंजों से पकड़कर उन्हें कुतर-कुतर कर खाता। **3**

खण्ड-'ख'

लेखन

4. (क) **मेरी अविस्मरणीय यात्रा**

संकेत बिंदु—कब, कहाँ, अनुभव, विशेष बात। **6**

मैंने अलग-अलग साधनों से अपने जीवन में कई यात्राएँ की हैं। मैं रमेश चौहान एक गाँव का रहने वाला हूँ जो आगरा जिले में आता है। मैं अपनी परीक्षा देने के लिए नागपुर जा रहा था। मैं अभी आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में खड़ा था तभी थोड़ी देर में ट्रेन आ गई और मैं अपना बैग लेकर उसमें चढ़ गया।

मैं अभी तक अकेला ही था लेकिन तभी अचानक एक लड़का मेरी तरफ दौड़ा, जिसका नाम अमन था और मुझसे कुछ कहने की कोशिश करने लगा लेकिन वह इतना अधिक घबराया हुआ था कि कुछ भी नहीं बोल पा रहा था। मैंने उसे तसल्ली दी और उससे उसके विषय में पूछा तो वह बोला कि वह भी महाराष्ट्र जा रहा है लेकिन उसकी सीट कन्फर्म नहीं है। मैंने उसे धैर्य बंधाते हुए अपनी सीट पर बैठा लिया।

अब वह शांत व प्रसन्न नजर आ रहा था। फिर धीरे-धीरे हम दोनों में बातचीत शुरू हो गई और कुछ देर में ऐसा महसूस हुआ कि हम दोनों एक-दूसरे को काफी अच्छी तरह से जानते हैं। रेल तेजी से गंतव्य की ओर चली जा रही थी। हम दोनों ने एक साथ भोजन किया। हवा तेज थी जब हम नागपुर से कुछ दूर ही थे तभी हमें संतरों के दूर-दूर तक फैले बाग दिखने लगे। संतरों की खुशबू से वातावरण महक रहा था। जब नागपुर रेलवे स्टेशन पर आकर रेल रुकी और मैं अमन (जो अब तक मेरा दोस्त बन चुका था,) को अलविदा कहकर रेल से उतर गया। एक अजनबी की मदद व अमन के व्यवहार से मेरा मन प्रसन्न था। अत: हमें जब कभी दूसरों की सहायता करने का अवसर मिले तो हमें अपने कर्त्तव्य का निर्वाह अवश्य करना चाहिए।

(ख) **मेरा प्रिय खिलाड़ी**

संकेत बिंदु—प्रिय होने के कारण, विशेषता। **6**

मेरा प्रिय खिलाड़ी क्रिकेट की दुनिया का जादूगर व बादशाह सचिन तेन्दुलकर है। वे क्रिकेट के विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं। प्रत्येक खिलाड़ी उनके समान खेलने व बनने के स्वप्न देखता है। सचिन ने जब क्रिकेट की दुनिया में कदम रखा उस समय वह सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। अपने सधे हुए खेलने के तरीके व अपनी खेल भावना के कारण वह एक प्रिय खिलाड़ी बन गए। सचिन एक गम्भीर स्वभाव के खिलाड़ी हैं। जब वह मैदान पर होते हैं तो सभी दर्शकों की निगाहें उन्हीं पर टिकी रहती हैं। उनके खेलने के अंदाज को देखकर सभी दाँतों तले अपनी अँगुलियाँ दबा लेते हैं। खेल के विपरीत परिस्थितियों में होने पर भी वे अपना संयम नहीं खोते हैं और सामान्य होकर खेल को खेलते हैं। विपक्षी खिलाड़ियों में सदैव ही उन्हें आउट करने की होड़ लगी रहती है। उन्होंने अब तक कई शतक और अर्द्धशतक बनाए हैं।

उनके खेलने के तरीके की प्रशंसा केवल उनके साथी खिलाड़ी ही नहीं वरन् अन्य देशों के खिलाड़ी भी करते हैं। सचिन जब भी मैदान पर आते हैं तो शतक अथवा अर्द्धशतक पूरा होने तक मैदान पर डटे रहते हैं। उनमें एक सफल कप्तान के भी सभी गुण विद्यमान हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने कई मैच भी जीते हैं।

इस प्रकार सचिन मेरे प्रिय खिलाड़ी हैं और मैं सदैव उनके जैसा खेलने का प्रयास करता हूँ। यद्यपि मैं जानता हूँ कि इसके लिए अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता है, किन्तु मैं परिश्रम से पीछे नहीं हटूँगा और भविष्य में उनके जैसा खिलाड़ी अवश्य बनूँगा।

(ग) **मेरा शहर**

संकेत बिंदु—कौन-सा शहर, विशेषता, हमारा कर्त्तव्य। **6**

मैं हिसार शहर में रहता हूँ। यह हरियाणा राज्य में है। हरियाणवी में हिसार शब्द का अर्थ किला या दुर्ग होता है। कहा जाता है कि किसी समय दिल्ली के राजा पृथ्वीराज का यही एक किला था। उसकी पराजय और मृत्यु के बाद राज्य के साथ किला भी मुसलमान राजाओं के हाथों में चला गया। सन 1356 में सम्राट फिरोजशाह तुगलक ने इस किले को दुबारा बनवाकर हिसार नाम रखा। यह शहर चारों तरफ से ऊँची-ऊँची दीवारों से घिरा है। शहर में आने-जाने के लिए चार मुख्य द्वार हैं। शहर के पूरब में एक नहर है। शहर की आबादी लगभग साठ हजार है। यहाँ के अधिकांश निवासी हिन्दू हैं। हमारे शहर में तीन हाईस्कूल हैं। तीनों ही स्कूलों की इमारतें बड़ी शानदार हैं। स्टेशन रोड पर मेमोरियल हॉल की शानदार इमारत हर गुजरने वाले का ध्यान आकर्षित करती है। शहर में एक नगरपालिका, दीवानी व फौजदारी अदालतें हैं तथा हिसार डिवीजन का मुख्यालय भी यहीं पर है। शहर में नलों द्वारा पानी की व्यवस्था है तथा पूरे शहर में बिजली है।

शहर के आस-पास कई प्राचीन स्मारक हैं जिसमें 600 वर्ष पुराना 'गुजरी' महल प्रमुख है। यहाँ के गाय-बैल और साँड़ बड़े मशहूर हैं। यहाँ साल में दो बार बड़े पशु मेले लगते हैं, जो पूरे भारत में प्रसिद्ध हैं। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके के निकट होने के कारण यहाँ गर्मियों में भीषण गर्मी व सर्दियों में तेज ठंड पड़ती है। धीरे-धीरे यहाँ लघु और कुटीर उद्योगों के स्थापित होने से विकास के मार्ग खुलने लगे हैं। हरियाणा राज्य को हिसार पर गर्व है। हमारा कर्त्तव्य है कि हम एक आदर्श नागरिक बनकर शहर को साफ-सुथरा रखें और इसके विकास में योगदान दें। ताकि हमारा शहर हिसार प्रदूषण मुक्त होकर लोगों के आकर्षण का केन्द्र बने और अपनी पहचान बनाए रखे।

5. **(क)** दिल्ली।

15 मार्च, 20XX

प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्कार।

तुम्हें यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि 20 अप्रैल की सायं हर वर्ष की भाँति मैं अपना जन्म-दिन मना रहा हूँ। इस अवसर पर अपने सभी मित्रों को निमन्त्रित किया है। पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दावत का कार्यक्रम अपने घर पर रखा है तथा मनोरंजन के कार्यक्रम भी होंगे। मैं इस अवसर पर तुम्हें परिवार सहित हार्दिक निमन्त्रण भेज रहा हूँ। आशा है तुम इसे स्वीकार करोगे और आकर मेरे प्रति असीम स्नेह तथा मित्रता का परिचय दोगे। **5**

तुम्हारा मित्र,

क.ख.ग.

अथवा

(ख) 7/37, रामबाग,

आगरा।

दिनांक : 25 जुलाई, 20XX

प्रिय सुरेश,

सदा सुखी रहो।

तुम होनहार बालक हो, व्यक्ति का विकास अध्ययन से ही होता है। अध्ययन ही व्यक्ति को पूर्णता प्रदान करता है। आज का युग संघर्ष का युग है। इसमें वही सफलता प्राप्त कर सकता है जो श्रेष्ठतम होता है और श्रेष्ठतम बनने का साधन अध्ययन ही है।

अध्ययन में कभी-भी आलस्य मत करना। सुचारु रूप से तुम्हारा अध्ययन चलता रहना चाहिए। साथ ही पढ़ते समय एकाग्रता भी आवश्यक है और लगन भी। आशा है इन संकेतों को समझकर तुम एकाग्रचित होकर अध्ययन में जुटे रहोगे, यही तुम्हारे लिए श्रेयस्कर है। इसी से तुम्हें परीक्षा में भी सफलता प्राप्त होगी। **5**

तुम्हारा भाई

हरीश।

उत्तरमाला

6. (क) शतरंज में स्वर्ण पदक जीतने पर मित्र को शुभकामना संदेश— **2.5**

संदेश

10 जून, 20××

प्रात:- 10.00 बजे

प्रिय रमेश,

कल शाम टेलीविजन में तुम्हें देखा। तुम्हारी उपलब्धि के विषय में पता चला कि शतरंज में तुम्हें स्वर्ण पदक मिला है और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के रूप में तुम्हारा चयन हो गया है। तुम्हारी मेहनत ने तुम्हें आज अत्यंत ऊँचा दर्जा दिलवाया है। मुझे पता है आगे चलकर तुम देश का नाम और साथ ही साथ परिवार का नाम रोशन करोगे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएँ और बधाई।

तुम्हारा मित्र

विजय कुमार

2.5

अथवा

दिवाली त्योहार के अवसर पर परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए संदेश—

संदेश

18 अक्टूबर 20××

सायं- 6.00 बजे

प्रिय मित्र।

कल दीपावली है। इस प्रकाशपर्व के अवसर पर मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि यह पर्व आपके परिवार में सुख-समृद्धि एवं आरोग्यता लेकर आए। इस पावन प्रकाश पर्व पर मेरे परिवार की ओर से आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ।

राहुल

(ख) तैराकी में स्वर्ण पदक जीतने पर अपनी बहन को बधाई देते हुए संदेश—

संदेश

12, जुलाई, 20XX

समय : प्रात: 8.00 बजे

प्रिय मित्र,

सौरभ,

कल शाम को टी.वी. में तुम्हें देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। तुम्हारी उपलब्धि के बारे में पता चला। तैराकी प्रतियोगिता में तुम्हें स्वर्ण पदक मिला और ओलंपिक में तुम्हारा चयन हो गया है। तुम्हारी मेहनत रंग लाई। भविष्य में तुम अपने माता-पिता के साथ-साथ देश का नाम भी रोशन करोगे। मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

तुम्हारा भाई

अनुरोध

2.5

अथवा

'सहपाठियों' को 'बालदिवस' (14 नवम्बर) पर शुभकामना संदेश—

संदेश

14, नवंबर, 20XX

समय–प्रात: 8.00 बजे

प्रिय मित्रों,

आज 'बालदिवस' पर मेरे सभी सहपाठियों को बहुत–बहुत मुबारक। बालदिवस बच्चों का दिवस है, जो देश का भविष्य होते हैं। चाचा नेहरू हममें भविष्य को देखते थे। इसलिए हम सभी को आज 'बालदिवस' पर देश की रक्षा एवं सुख–सौहार्द्र के लिए शपथ लेनी चाहिए।

राघव (मॉनीटर)

7. (क) "दुनिया में भुखमरी और कुपोषण" इस विषय पर अपने मित्र के साथ संवाद—

रमेश – आओ नरेश, बैठो। तुम्हें पता है हमारे देश में भुखमरी और कुपोषण बच्चों का बचपन छीन रहा है।

नरेश – रमेश अपना देश ही क्या, दुनिया में बहुत से ऐसे देश हैं, खासकर, अफ्रीकी देश जो इस समस्या का सामना कर रहे हैं।

रमेश – हाँ! हमारे देश के भी कई प्रदेशों में यह समस्या है। भुखमरी असल में कुपोषण का मूल कारण है। हाँ ! कहीं–कहीं धनाभाव के कारण दो वक्त का खाना नसीब नहीं है और कहीं प्राकृतिक आपदाओं में सब नष्ट हो गया है इसलिए खाना नसीब नहीं है।

नरेश – बिलकुल ठीक कह रहे हो रमेश, भुखमरी ही कुपोषण का कारण है। कहीं–कहीं पैदावार को अत्यधिक खादों एवं कीटनाशकों से जहरीला बनाकर कुपोषण की ओर ढकेल रहे हैं। अत: सारी दुनिया को जागरूक होकर अब भुखमरी व कुपोषण के खिलाफ जागरूक होना ही होगा। **2.5**

अथवा

भारत में बढ़ते भ्रष्टाचार पर दो मित्रों में संवाद—

कार्तिक – इतनी सुबह–सुबह कहाँ जाने की तैयारी है, मित्र ?

मयंक – अरे भाई! अपने क्षेत्र के विधायक के यहाँ जा रहा हूँ।

कार्तिक – क्यों क्या हुआ, खैरियत तो है ?

मयंक – क्या बताऊँ मित्र, पिछले एक हफ्ते से बिजली नहीं आ रही है, इसलिए उनके यहाँ जा रहा हूँ।

कार्तिक – तो इसमें विधायक जी क्या करेंगे ?

मयंक – मैं तो बिजली विभाग के चक्कर लगा–लगाकर हार गया, अब विधायक जी से ही सिफारिश करवाऊँगा, तभी काम बनेगा।

कार्तिक – क्या समय आ गया है। बात–बात में सिफारिशें और रिश्वत के बिना काम ही नहीं चलता। मैंने भी अपना टेलीफोन इसी तरह ठीक करवाया है।

मयंक – ऊपर से नीचे तक सभी भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे, तो आम गरीब जनता को कौन सुनेगा ? जबकि प्रभावशाली लोगों के काम चुटकी बजाते ही हो जाते हैं।

कार्तिक – सरकार भी तो कुछ सख्ती नहीं करती।

मयंक – सरकार भी किस–किस को पकड़ेगी ? बड़े–बड़े अधिकारी भी तो भ्रष्ट हैं।

(ख) प्रदूषण की गहरी समस्या पर अपने मित्र से संवाद लेखन—

राकेश – अरे मित्र ! सुबह–सुबह कहाँ से आ रहे हो ?

सुरेश – थोड़ी देर के लिए भ्रमण करने निकला था, पास के पार्क से आ रहा हूँ।

राकेश – आजकल तो शुद्ध वायु का मानो अकाल ही पड़ गया है। बस सुबह–सुबह इसका थोड़ा आनंद लिया जा सकता है। दिन भर तो प्रदूषित वायु में ही साँस लेनी पड़ती है।

सुरेश – बिल्कुल ठीक कह रहे हो, मित्र! शहरों में प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि जीना मुश्किल हो गया है। प्रदूषण से लोगों का स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

राकेश – हाँ ! साँस, त्वचा, आँख तथा पेट के रोग बढ़ते जा रहे हैं, जिनके बढ़ने का कारण पर्यावरण प्रदूषण भी है।

सुरेश – न जाने सरकार इसे रोकने का प्रयास क्यों नहीं करती?

राकेश – सरकार करे भी क्या? बढ़ती आबादी के कारण गंदगी बढ़ती जा रही है। भूमि की कमी पड़ने के कारण पेड़ों की कटाई की जा रही है। वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, साथ ही उद्योग-धंधों का भी बहुत तेजी से विस्तार हो रहा है। ये सभी प्रदूषण में वृद्धि करते हैं।

सुरेश – कम से कम इतना तो किया ही जा सकता है कि औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए, झुग्गी-झोंपड़ियों का पुनर्वास भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों से हटाकर कहीं और किया जाए।

राकेश – हाँ ! सरकार को इतना तो करना ही चाहिए। साथ ही नागरिकों को भी गंदगी नहीं फैलानी चाहिए तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। **2.5**

अथवा

किसी सहपाठी की शिकायत कर रहे छात्र और कक्षा अध्यापिका का संवाद—

- **विषय-वस्तु** **2 अंक**
- **संवादों की सटीकता** **2 अंक**
- **भाषा** **1 अंक** **[CBSE Marking Scheme 2017]**

व्याख्यात्मक हल—

अमित – गुरुजी प्रणाम!

अध्यापक – अरे अमित! क्या बात है? तुम सब एक साथ यहाँ क्यों एकत्र हुए हो?

अमित – श्रीमान्! हमारी कक्षा का मोहित वर्मा और उसके दो मित्रों की हम शिकायत करना चाहते हैं।

श्याम – मोहित अपने मित्रों के साथ मिलकर आए दिन हमें परेशान करता है।

अन्य छात्र – वे सबका मजाक उड़ाते हैं, चिढ़ाते हैं और हम पर रौब जमाते हैं।

अमित – वे अपना गृहकार्य समय पर नहीं करते और बाद में जबरदस्ती हमारी कॉपी ले जाते हैं। मना करने पर धमकाते हैं।

अन्य छात्र – राहुल की हिंदी विषय की कॉपी उन्होंने गुम कर दी और आज उससे गणित विषय की कॉपी माँग रहे थे। मना करने पर उन्होंने राहुल के साथ मारपीट भी की।

अध्यापक – मोहित के इस प्रकार के आचरण की शिकायत तुमने पहले क्यों नहीं की?

अमित – हमने उसे समझाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसकी शरारतों के लगातार बढ़ने पर हमें शिकायत के लिए विवश होना पड़ा।

अध्यापक – खैर, मैं तुम्हारे कक्षाध्यापक से बात कर इस समस्या का शीघ्र ही कोई हल खोज लूँगा। अब तुम सब कक्षा में जाओ।

8. (क) कोरोना महामारी—

संशय हो या डर बिल्कुल न घबराएँ,
साबुन से रगडें हाथ और जीवन बचाएँ। **2.5**

अथवा

'शिक्षा का महत्व'—

- जन-जन की है आवाज़,
  पढ़ा-लिखा हो सभ्य समाज।
- बच्चों की शिक्षा है ज़रूरी,
  तभी बढ़ेगी अगली पीढ़ी।

- शिक्षा जन-जन का अधिकार है,
  शिक्षा ही मूल आधार है।
- लड़का हो या लड़की, सबको श्रेष्ठ बनाओ,
  ज्ञान का दीपक प्रज्ज्वलित करो, सबको प्रकाश फैलाओ।
- गाँव-गाँव, गली-गली शिक्षा का अभियान चलाओ,
  लड़का हो या लड़की सबका जीवन बेहतर बनाओ।

(ख) नेत्रदान संबंधी नारा लेखन—

- सब दानों में सबसे प्रधान, नेत्रदान-महादान।
- नेत्रदान का संकल्प करें,
  मृत्यु के बाद मृत्युंजय बनें। **2.5**

अथवा

'पर्यावरण सुरक्षा' पर नारा लेखन—

- पर्यावरण की सुरक्षा, जीवन की रक्षा।
- पेड़-पौधे लगाओ, प्रदूषण भगाओ,
  जन-जीवन को सुरक्षित बनाओ।
- पेड़ और पेड़ लगाओ,
  संसार को सुरक्षित बनाओ।
- जागरूकता को फैलाना है,
  पेड़-पौधे लगाना है।
- बच्चों को दो सब शिक्षा
  पेड़ पौधों की करें सुरक्षा।

❑❑❑